जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 91 प्रभात कोटा, शनिवार 13 जनवरी, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

क्या राहुल गांधी ने 2024 के चुनाव होने से पहले ही हार मान ली है?

क्योंकि, कांग्रेस नेतृत्व ने सुनील कानूनगोलू से लोकसभा के बजाय हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर फोकस करने को कहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। क्या राहुल गांधी एण्ड कंपनी ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव शुरु होने से पूर्व ही पराजय स्वीकार कर ली है?

कांग्रेस पार्टी की दशा से अवगत करवाने वाले एक दिलचस्प घटनाक्रम में पार्टी के मुख्य रणनीतिकार एवं राहुल गांधी के चहेते सुनील कानुनगोलू को कहा गया है कि वह लोकसभा चुनावों पर फोकस ना कर हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीतने पर अपना ध्यान केन्द्रित करें क्योंकि राहुल इन्हीं दो राज्यों में सक्रिय रहेंगे।

सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस में फण्ड्स की पहले ही कमी है, फिर भी राहुल की छवि एवं ब्रैण्ड नेम में ओर इजाफा करने को लेकर उनकी न्याय यात्रा के लिए एक मोटी रकम का प्रावधान किया गया है।

- सूत्रों का कहना है कि, कांग्रेस पहले से ही फंड की कमी से जूझ रही है और जो कुछ भी बचा हुआ फंड है उसका बड़ा भाग राहुल गांधी की न्याय यात्रा को दे दिया गया है।
- सूत्रों ने कहा कि, भारत जोड़ो न्याय यात्रा का मुख्य उद्देश्य राहुल गांधी की ''ब्रैण्ड इमेज'' बनाना है।
- लोकसभा चुनाव के लिए ऑल इंडिया सर्वे कराने सभी राज्यों में टीम तैनात करने, निजी कम्पनियों की सेवाएं लेने के लिए कांग्रेस के पास पैसा नहीं है।
- ऐसा लगता है कि, कांग्रेस जान गई है कि, लोकसभा चुनाव में जीतने की संभावना तो ना के बराबर है तो फिर सर्वे पर पैसा क्यों बरबाद किया जाए।

उन्होंने आगे बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए देश भर में सर्वे कराना, इसके लिए विभिन्न राज्यों में टीमों के गठन और लोगों को हायर करने में भारी धनराशि की जरुरत होती है और ऐसे मौके पर कांग्रेस ये खर्चे वहन नहीं कर सकती, जबकि वह स्वयं क्राउड फंडिंग के माध्यम से धन एकत्रित करने में वयस्त है। क्राउड फंडिंग के लिए कांग्रेस द्वारा दिए गए लिंक को लेकर भी विवाद है। बताया जाता है कि इस लिंक के माध्यम से कांग्रेस को दिए जाने वाले चंदे की राशि भाजपा को ट्रांसफर हो गई थी।

जहां तक चुनावों की बात है, तो राहुल गांधी कानुनगोलू पर निर्भर रहते आए हैं क्योंकि राजस्थान को लेकर उनके द्वारा किया गया सर्वे सटीक रहा था। तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस को मिली जीत का श्रेय भी उन्हें ही दिया जाता है।

लेकिन, अब ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस को यह आभास हो गया है कि उसकी हालत पतली है तथा उसकी जीत की संभावना ना के बराबर है, इसलिए पार्टी के अधिकांश फण्ड को जब राहुल गांधी और उनकी यात्रा पर ही खर्च करना चाहिए। सर्वे व अन्य संबंधित गतिविधियों पर धन क्यों खर्च किया जाए?

कांग्रेस पार्टी के लिए आने वाले दिन संशयात्मक प्रतीत होते हैं।

9 राज्यों के पार्टी समन्वयकों से वार्ता की खड़गे ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को अपनी पार्टी के गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, महाराष्ट्र, गोवा, दमन व दीव और दादरा व नगर हवेली समन्वयकों से चुनावों को लेकर चर्चा की।

- लोकसभा चुनाव की तैयारी में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। शुक्रवार को उन्होंने राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, छत्तीसगढ़, गोवा, दमन दीव एवं दादरा नगर हवेली के पार्टी समन्वयकों से चुनाव तैयारी पर चर्चा की।

उन्होंने आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारी के मद्देनजर कांग्रेस की प्रगति के बारे में समन्वयकों के विचार जाने।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आम जनता सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएगी'

मुख्यमंत्री भजन लाल ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों से संबंधित बैठक में दावा किया

लोकसभा चुनावों से संबंधित कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा के लिए आयोजित भाजपा की बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल सहित प्रदेशाध्यक्ष सी.पी.जोशी, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह तथा केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह और अनेक वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

जयपुर, 12 जनवरी (का.सं.)। भाजपा ने लोक सभा चुनाव की तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। इसके लिए आज दिल्ली रोड स्थित एक रिसोर्ट में लोक सभा से संबंधित कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा हुई। इस चर्चा में प्रदेश की कोर कमेटी, प्रदेश के पदाधिकारी, मंत्री, प्रमुख नेता मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बैठक में कहा कि, भाजपा की सरकार सत्ता के लिए नहीं सेवा के लिए आयी है और हम डबल इंजन की सरकार के ज़रिये प्रदेश की जनता को निश्चित रूप से मोदी जी की दी हुई गारंटी पूरा कर रहे हैं। हमने आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प पत्र में किए हुए वादों में से एक महीने में ही लगभग 10 गारंटीयों को पूरा करने का काम किया है। जिनमें 450 रुपए में सिलेंडर ,पेपर लीक अपराधियों के लिए एसआईटी,गैंगस्टरों के उन्मूलन के लिये एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स, सीबीआई को जाँच की अनुमति, श्री अन्नपूर्णा रसोई, भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरैंस आदि शामिल हैं। वास्तव में अब जनता को यह लगा है कि भाजपा की यह सरकार सेवक सरकार है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीकी प्रेरणा से हम विकसित भारत संकल्प यात्रा में भी ज़बरदस्त तरीक़े से आगे बढ़ रहे हैं।

- यह बैठक दिल्ली रोड स्थित रिसॉर्ट में हुई जिसमें लोकसभा चुनाव से संबंधित योजना पर चर्चा हुई। बैठक में भाजपा की प्रदेश कोर कमेटी के पदाधिकारी, प्रमुख नेता व मंत्री शामिल हुए।
- मुख्यमंत्री शर्मा ने दावा किया कि, प्रदेश सरकार ने भाजपा के घोषणा पत्र में दी गई दस गारंटियों को एक महीने में पूरा कर दिया है। जनता भी समझ गई है कि भाजपा सेवा करने के लिए सत्ता में आई है।

राजस्थान विकसित भारत संकल्प यात्रा ने क़रीबन 1 करोड़ से भी अधिक लोगों से संपर्क कर उनकी समस्याओं को हल किया है एवं विभिन्न केंद्रीय योजनाओं से उन सभी को जोड़ा है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता का आशीर्वाद विधानसभा में भाजपा को मिला और अब आमजन भाजपा को 25 लोक सभा सीटों में से 25 सीटें जिताकर और 2024 में मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाकर देश की सेवा का मौक़ा देंगी।

बैठक के कुल छह सत्र हुए। जिनमें संगठन स्तर पर गतिविधियां, मोदी सरकार के कामों को घर-घर पहुंचाने, राजस्थान सरकार की मोदी की गारंटी स्कीम्स को चुनाव पूर्व लागू करने के अलावा राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या चलो अभियान विषयों पर गहनता से चर्चा हुई।

अयोध्या चलो अभियान में भाजपा द्वारा हर विधानसभा से 2000 से 2500 हजार लोगों को अयोध्या ले जाने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई है। बैठक में विकसित संकल्प यात्रा को बूथ स्तर पर ले जाने एवं मोदी की गारंटी वाली योजनाओं के बारे में बूथ स्तर पर प्रचार करने के बारे में भी चर्चा की गई। इसके लिए, सभी विधायको, सांसदों, पार्टी प्रदेश पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

निजी कारणों के चलते पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे, व्यस्तता के चलते डिप्टी सीएम दीया कुमारी बैठक में नहीं आ सकीं।

बैठक में 22 जनवरी को मंदिर में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्या शंकराचार्य को भी हिन्दू विरोधी कहा जाएगा'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। अयोध्या में 22 जनवरी को आयोजित होने वाले राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में कांग्रेस के शामिल नहीं होने पर भारतीय जनता पार्टी ने इसे 'हिन्दू -विरोधी' करार दिया है। कांग्रेस ने इसके जवाब में कहा, कि जब शंकराचार्यगण ने इस समारोह में उपस्थित नहीं होने का निर्णय लिया है तो उसने भी समारोह में नहीं जाने का फैसला किया है। शंकराचार्यों ने कहा है कि यह समारोह संहिताओं में निर्दिष्ट दिशा निर्देशों के विरुद्ध किया जा रहा है। कांग्रेस सोशल मीडिया की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में नहीं जाने पर भाजपा द्वारा हिन्दू विरोधी करार दिए जाने पर कांग्रेस ने सवाल किया।

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत से बना माहौल तेलंगाना के बाद आंध्र में भी असर दिखा रहा है

कांग्रेस के आंतरिक सर्वे बता रहे हैं कि, लोकसभा चुनावों में भी कांग्रेस को इन राज्यों से अच्छी बढ़त मिल सकती है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। कर्नाटक एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। गत वर्ष प्रतिकूल संयोगों के बावजूद जिस तरह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत हुई उसका असर पड़ोसी राज्यों, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी नज़र आ रहा है। कांग्रेस पार्टी के अंदरुनी सर्वे संकेत दे रहे हैं कि, ज़मीनी स्तर पर राजनीतिक समीकरणों में जो राजनीतिक बदलाव किए गए हैं उसके आधार पर इन राज्यों में पार्टी की स्थिति अच्छी हो सकती है और लोकसभा सीट स्तर पर सत्ता विरोधी भावनाएं भी पार्टी को लाभ पहुँचा सकती हैं।

कांग्रेस का 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रदर्शन, पिछले आम चुनावों की तुलना में बेहतर हो सकता है, जब भाजपा ने 28 में से 25 सीटें जीती थीं।

- कर्नाटक में अगर कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव वाला प्रदर्शन दोहराया तो यहां पार्टी 10 से ज्यादा लोकसभा सीटें जीत रही है और इससे ज्यादा भी जीत सकती है।
- भाजपा, जो गत चुनाव में कर्नाटक की 28 लोकसभी सीटों में से 25 पर विजयी रही थी, यह बात जानती है।
- कर्नाटक, जो दक्षिण भारत में भाजपा का एक मात्र गढ़ है, को अपने पास रखने के लिए भाजपा कांग्रेस और अपने सांसदों के खिलाफ व्याप्त ''एंटी इन्कम्बैंसी'' को मात देने के लिए प्रत्याशी बदलने का जांचा परखा फॉर्मूला अपना सकती है।

वैसे भी, यदि विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन देखा जाए तो कहा जा सकता है कि, लोकसभा चुनावों में उसे ''डबल डिजिट'' में सीटें मिल सकती हैं। जिसका नुकसान, स्पष्ट रुप से भाजपा को ही होगा।

नवीनतम निजी सर्वे के अनुसार, जो कांग्रेस ने करवाया है, कांग्रेस दस से अधिक सीटें जीत सकती है। और यदि ऐसा हुआ, तो पूरी संभावना है कि कांग्रेस भाजपा की सीटें ही लेगी।

भाजपा भी यह बात समझ रही है और दक्षिण भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए कर्नाटक पर ही पूरा फोकस कर रही है। कहा जा रहा है कि, भाजपा, ''एंटी इन्कम्बैंसी'' को बेअसर करने और कांग्रेस के अभियान को मात देने के लिए प्रत्याशी बदलने का जांचा परखा फॉर्मूला अपनाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आम सहमति के बिना हिट एंड रन एक्ट लागू नहीं करेगी मोदी सरकार'

अमृतसर, 12 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी पंजाब के मीडिया पैनलिस्ट प्रो. सरचांद सिंह ख्याला ने शुक्रवार को कहा कि, मोदी सरकार आम सहमति के बिना हिट एंड रन कानून लागू नहीं करेगी।प्रो. ख्याला ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से एक लिखित पत्र जारी किया गया है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि हिट एंड रन मामले में अभी तक संशोधित कानून लागू नहीं किया गया है। केन्द्र सरकार का संबंधित विभाग इस कानून को लागू करने से पहले ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों से बात करेगा और उसके बाद ही बातचीत में बनी सहमति के अनुसार कानून को लागू किया जायेगा। केन्द्र सरकार ने भारतीय दंड संहिता के तहत हिट एंड रन के मामले में 10 साल की सजा का प्रावधान किया है। इसके बाद एक जनवरी से तीन जनवरी तक राष्ट्रीय स्तर पर ट्रक ड्राइवरों और ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल से पूरे देश में अफरा-तफरी मच गई। तब केंद्र सरकार ने आश्वासन दिया था कि नए कानूनी प्रावधान अभी लागू नहीं किये गये हैं।

हिमाचल में बारिश-बर्फबारी के आसार

शिमला, 12 जनवरी। हिमाचल प्रदेश के मध्य व उच्च पर्वतीय सहित कई भागों में अगले दो दिन बारिश-बर्फबारी की संभावना है। वहीं, मैदानी क्षेत्रों में 14 जनवरी तक कोहरे का 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 16 व 17 जनवरी को प्रदेश के मध्य व कुछ स्थानों पर बारिश-बर्फबारी का पूर्वानुमान है।

पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी के नाम वारंट जारी

बरेली, 12 जनवरी। उत्तर प्रदेश में बरेली की एक अदालत ने दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और उपकरण वितरण के नाम पर घोटाला करने के एक मामले में पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी व पूर्व विधायक लुइस खुर्शीद समेत दो लोगों के खिलाफ वारंट जारी किया है।

आरोप है कि, उपकरण घोटाला मामले में कोर्ट के बुलाने के बावजूद वह लगातार गैरहाजिर चल रही हैं। कोर्ट ने जमानती वारंट जारी किया गया है। अगली सुनवाई 30 जनवरी को होगी।

विशेष न्यायालय एमपी एमएलए बरेली के विशेष लोक अभियोजक अर्चित द्विवेदी ने बताया कि वर्ष 2010 में सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय ने डॉ. जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट को कैम्प लगाकर दिव्यांगों को उपकरण आदि वितरित करने को 71.50 लाख अनुदान राशि दी थी। ट्रस्ट ने बरेली, फर्रुखाबाद, एटा, इटावा, मैनपुरी, कासगंज, मेरठ समेत 17 जिलों में दिव्यांग कैंप आयोजित कर दिव्यांगों को उपकरण वितरण करने की आख्या समाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय को प्रेषित की थी लेकिन जांच में बरेली समेत कई जगह कैंप लगे नहीं पाए गए।

अपराध अनुसंधान संगठन लखनऊ निरीक्षक इंस्पेक्टर रामशंकर यादव ने 29 मई 2017 को थाना भोजीपुरा बरेली में एफआईआर दर्ज कराई थी।

'शृंगेरी और द्वारका पीठ के शंकराचार्यों ने राम मंदिर ''प्राण प्रतिष्ठा'' का स्वागत किया'

विश्व हिन्दू परिषद के वर्किंग प्रैसिडैंट आलोक कुमार ने दावा किया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। चार में से दो शंकराचार्यों, जो कि सनातन हिन्दू धर्म के सर्वश्रेष्ठ गुरु माने जाते हैं, ने 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समारोह से संबंधित आपत्तियों पर अपना रुख कथित तौर पर नर्म कर लिया है। लेकिन सभी चार शंकराचार्यों के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने, इस भव्य आयोजन की चमक कुछ फीकी पड़ सकती है।

हालांकि, चारों धर्मगुरुओं ने कठोर आपत्तियाँ दर्ज की हैं, लेकिन विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष, आलोक कुमार के अनुसार, द्वारका और शृंगेरी के शंकराचार्यों ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह का स्वागत किया है। पुरी के शंकराचार्य भी समारोह के पक्ष में हैं और सभी शंकराचार्य उचित समय पर रामलला के दर्शन करने अयोध्या जायेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- गत कुछ दिनों से चारों शंकराचार्यों द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का विरोध किए जाने को लेकर भारी विवाद चल रहा है।
- शंकराचार्य को सनातन हिन्दू धर्म का सर्वोच्च गुरू माना जाता है और राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में इनका शामिल नहीं होना भाजपा व आर.एस.एस. के लिए भारी शर्मिंदगी का कारण बना हुआ है।

2024 का सबसे बड़ा खतरा है ए.आई. द्वारा चुनाव नतीजों से छेड़छाड़

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ''ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट'' के अनुसार आर्टिफिशल इंटैलिजैंस जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक मंदी से भी बड़ा खतरा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जनवरी। चुनावों के इस बम्पर साल में, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत, सबसे पुराना लोकतंत्र अमेरिका तथा रूस, दक्षिण अफ्रीका, मैक्सिको व ताइवान चुनावों के एक ऐतिहासिक वर्ष की शुरुआत कर रहे हैं। इन छह देशों में दुनिया की लगभग आधी आबादी रहती है। ''द वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम'' (डब्ल्यु.ई.एफ.) की ''ग्लोबल रिस्क्स रिपोर्ट 2024'' के अनुसार, जलवायु परिवर्तन से पूर्व भारत सहित इन देशों के समक्ष आर्टिफिशियल इन्टैलीजैंस (ए.आई.) द्वारा चुनावों में व्यवधान उत्पन्न किए जाने और दुष्प्रचार व गलत जानकारी से समाज का ध्रुवीकरण किए जाने का सबसे बड़ा जोखिम है।

- वर्ष 2024 में विश्व के कई बड़े देशों में चुनाव होने जा रहे हैं, जिनमें सबसे पुराना लोकतंत्र अमेरिका, सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत शामिल है, इसके अलावा रूस, दक्षिण अफ्रीका, मैक्सिको और ताईवान में भी चुनाव होने हैं। इन 6 देशों में विश्व की आधी आबादी रहती है।
- रिपोर्ट के अनुसार, ए.आई. (आर्टिफिशल इन्टैलीजैंस) गलत एवं विकृत जानकारी फैला कर समाज में ध्रुवीकरण कर रहा है।
- रिपोर्ट तैयार करने के लिए सितम्बर 2023 में विश्व भर के 1400 ग्लोबल रिस्क एक्सपर्ट्स, नीति निर्माताओं और इण्डस्ट्री लीडर्स से चर्चा की गई थी।

रिपोर्ट में अगले दो वर्षों से ए.आई. जनित दुष्प्रचार व गलत जानकारी तथा सामाजिक ध्रुवीकरण को लेकर पड़ने वाले प्रभावों को 10 शीर्ष जोखिमों में शुमार किया गया है।

रिपोर्ट को सहलेखिका एवं यूरोप की कन्सलटैंसी फर्म ''मार्श मैक्लैनन'' की चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर करौलिना लिंट कहती हैं कि ''वोटर्स की आबादी से एक बड़े तबके को प्रभावित करने के लिए ए.आई. ऐसे मॉडल्स तैयार कर सकता है जिन्हें हमने पहले कभी नहीं देखा।''

उन्होंने सी.एन.बी.सी. को बताया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)